भूटान यात्रा
थिम्पू, पारो, फुंटशोलिंग, पुनाखा राजधानी रेल द्वारा

यात्रा प्रारम्भ: 01 मार्च 2025

यात्रा समय: 09 दिन

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	दिल्ली रेलवे स्टेशन से राजधानी एक्सप्रेस (3A/C) द्वारा प्रस्थान।
दूसरा दिन	न्यू कोच बिहार आगमन व भूटान बॉर्डर के वास्ते प्रस्थान (रात्रि विश्राम जयगांव / फुंटशोलिंग)।
तीसरा दिन	फुंटशोलिंग से थिम्पू के वास्ते प्रस्थान। चुखा बाँध, वॉटरफॉल आदि (रात्रि विश्राम थिम्पू)।
चौथा दिन	थिम्पू शहर प्राकृतिक सौंदर्य भ्रमण (रात्रि विश्राम थिम्पू)।
पांचवा दिन	थिम्पू से पूनाखा के लिए प्रस्थान, पूनाखा भ्रमण (रात्रि विश्राम पारो)।
छठवा दिन	थिम्पू से पारो हेतु प्रस्थान वहा पारो प्राकृतिक सौन्दर्यावलोकन करते हुए, रात्रि विश्राम पारो।
सातवां दिन	पारो से जयगांव/फंटशोलिंग बॉर्डर हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम जयगांव/फुंटशोलिंग)।
आठवां दिन	जयगांव से न्यू कोच बिहार आगमन व राजधानी एक्सप्रेस (3A/C) ट्रेन द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान।
नवां दिन	दिल्ली पर मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समापन।

यात्रा किराया :- भोजन, चाय, नाश्ता, घुमाने के लिए मिनी बस/ सुमो, डबल बैड होटल रूम, A/C रेल रिजर्वेशन सहित का किराया ₹40,001/- प्रति सवारी होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹5,000/- प्रति यात्री नगद अथवा ऑनलाइन 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I बैंक खाते में जमा करवा दें। शेष धनराशि यात्रा प्रारंभ के समय पर ले ली जायेगी। परमिट वास्ते ओरिजिनल वोटर कार्ड या फिर पासपोर्ट व 2 पासपोर्ट साइज फोटो साथ में लाना अनिवार्य है। कृपया बस यात्रा के नियम पेज न0 13 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

बस व रेल द्वारा यात्रा की नियम व सुविधाऐं।

1. यात्रियों के लिए यात्राकाल में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में एक दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध होगा। शाम को चाय दी जायेगी। दाल-चावल, रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइन्ड तेल का प्रयोग होगा। समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक-एक मिनरल वाटर की बोतल यात्रियों को दी जायेगी।
2. हमारी यात्रा में केवल सामान्य चिकित्सा की ही व्यवस्था होगी। जो यात्री नियमित रूप से दवाई लेते हैं वे यात्री यात्रा प्रोग्राम के दिनो के अनुसार कृपया अपनी दवाईयां साथ में लावे। यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मन्दिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री स्वयं के खर्च से पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा। A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। संक्रमक रोगी, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले अथवा झगडालू यात्री को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार व्यवस्थापक का होगा।
3. यात्री अपने साथ असली फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड और वोटर आई. डी.) व 1 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे। यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं यात्री के सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में रेल लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर संस्था/ व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थितियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व व्यवस्थापक को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।